

स्वकुल पुं. (तत्.) अपना कुल/वंश।

स्वकृत वि. (तत्.) अपना किया हुआ।

स्वकेंद्रित वि. (तत्.) 1. अपने आप में या अपने ही काम में मस्त, आत्मकेंद्रित 2. स्वार्थी।

स्वक्ष वि. (तत्.) स्वच्छ।

स्वगत वि. (तत्.) 1. स्व-संबंधी, अपने से संबंधित 2 अपने मन में आया हुआ विचार आदि पुं. मन में आया हुआ विचार नाट्य. स्वगत कथन।

स्वगत कथन पुं. (तत्.) 1. मन में आई हुई बात 2. मन में आई हुई बात कहना 3. भारतीय नाटकों में तीन प्रकार के संवादों में से एक जिसमें अभिनेता कोई बात ऐसे ढंग से कहता है कि मानो दूसरे अभिनेता या पात्र उसकी बात सुन ही न रहा हो और वह मन ही मन कुछ कह अथवा सोच-समझ रहा हो। इसे 'अश्राव्य' भी कहते हैं soliloquy

स्वगति स्त्री. (तत्.) 1. अपनी दशा 2. अपनी गति/चाल 3. अपनी रफ्तार।

स्वगतोक्ति स्त्री. (तत्.) 1. स्वगत कथन 2. दिमाग में आई हुई बात।

स्वगृह पुं. (तत्.) अपना घर।

स्वग्रह पुं. (तत्.) एक बाल ग्रह (छोटा ग्रह)।

स्वचर वि. (तत्.) जो खुद चलता हो।

स्वचल वि. (तत्.) 1. आप से आप चलने वाला 2. ऐसा कार्य जो बिना किसी चेतन-प्रेरणा के अथवा आप से आप या प्राकृतिक रूप से होता हो पुं. प्रायः मनुष्य के आकार का एक प्रकार का यंत्र जो अंदर के कल-पुरजों के द्वारा इधर-उधर चलता-फिरता और कई तरह के काम करता है। automation

स्वचलता स्त्री. (तत्.) 1. स्वचल/स्वचालित होने की अवस्था/गुण/भाव 2. संकल्प-रहित शारीरिक चेष्टा 3. चिकित्सा में एक ऐसे रोग की स्थिति जिसमें शरीर अनजाने ही काम करता रहता है।

स्वचालक वि. (तत्.) ऐसा यंत्र या उसका कोई अंग जो बिना किसी विशिष्ट प्रक्रिया के केवल साधारण खटके आदि की सहायता से स्वयं चलता या यंत्र को चलाता हो। self-starter

स्वचालित वि. (तत्.) ऐसा यंत्र जिसके अंदर ऐसे कलपुर्जे लगे हो कि एक पुरजा चलाने से ही वह आप से आप चलने या कई काम करने लगता हो।

स्वचित्त-कारु पुं. (तत्.) वह शिल्पी, जो किसी श्रेणी के अंतर्गत होते हुए भी स्वतंत्र रूप से काम करता हो, स्वतंत्र कारीगर।

स्वचेतन पुं. (तत्.) 1. अपना मन 2. अपनी चेतना।

स्वच्छंद वि. (तत्.) 1. इच्छा, मौज या रुचि के अनुसार अथवा सनक में आकर काम आने वाला 2. किसी प्रकार के अंकुश, नियंत्रण या मर्यादा का ध्यान न रखते हुए मनमाने ढंग से आचरण या व्यवहार करने वाला 3. नैतिक और सामाजिक दृष्टि से अनुचित तथा निंदनीय आचरण या व्यवहार करने वाला, भ्रष्ट चरित्र वाला 4. ऐसा जीव-जंतु या प्राणी जो बिना किसी प्रकार की अड़चन या बाधा के जहाँ चाहे वहाँ विचरण करता फिरता हो 5. पेड़, पौधा या वनस्पति जो जंगलों और मैदानों में आप से आप उत्पन्न हो पुं. कार्तिकेय या स्कंद का एक नाम क्रि.वि. बिना किसी भय, विचार या संकोच के।

स्वच्छंदचारिणी स्त्री. (तत्.) 1. दुश्चरित्र स्त्री, पुंश्चली 2. वेश्या, रंडी।

स्वच्छंदचारी वि. (तत्.) 1. अपनी इच्छा के अनुसार चलने वाला, स्वेच्छाचारी, मनमौजी 2. मनमाने ढंग से इधर-उधर घूमता रहने वाला।

स्वच्छंद छंद पुं. (तत्.) मुक्त छंद।

स्वच्छंदता स्त्री. (तत्.) 1. स्वच्छंद होने की अवस्था, गुण या भाव 2. मनमौजीपन, मनमानापन 3. निरंकुशता, अनियंत्रिता।

स्वच्छंदतावाद पुं. (तत्.) स्वच्छंद आचरण/व्यवहार को श्रेष्ठ मानने का मत काव्य. हिंदी काव्य की